बच्चों के लिए
द्विभाषी संस्करण
Bilingual Editions
for Children

पक्की दोस्ती
A Friend Forever

कहानी : ऐन्ड्रीला मित्रा ◆ Story : **Aindrila Mitra**

चित्र : **प्रोनाबेश माइती** ◆ Illustrations : **Pronabesh Maity**



6 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए
For Children of the age group 6 to 8 years

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एक स्वायत्त निकाय है जो भारत सरकार (उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय) द्वारा 1957 में किताबों और पठन को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था। बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करणों की शृंखला के तहत यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार द्विभाषी प्रारूप में प्रकाशित की गई है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए पूरक पठन-सामग्री का निर्माण करना है ताकि वे देश के बहुभाषी ताने-बाने के साथ तालमेल बैठा सकें।

डिसक्लेमर
इस द्विभाषी संस्करण के लिए कहानी का उपयुक्त रूप से संपादन किया गया है।

The National Book Trust, India is an autonomous body established by the Government of India (Department of Higher Education, Ministry of Education) in the year 1957, to promote books and reading. This title has been published in Bilingual format under the series 'Bilingual Editions for Children' as per the guidelines of the National Education Policy 2020 with the objective to create supplementary reading materials for children to help them adapt suitably to the multilingual fabric of the country.

Disclaimer
The story has been suitably edited for this bilingual edition.

ISBN 978-81-237-9643-7

पहला द्विभाषी संस्करण (हिंदी-अंग्रेजी) : 2021 (*शक* 1942)
प्रथम हिंदी संस्करण : 2004
प्रथम अंग्रेजी संस्करण : 2004
एकती गाच एकला *(मूल बांग्ला)*
ए फ्रेंड फॉरएवर *(अंग्रेजी अनुवाद)*
पक्की दोस्ती *(हिंदी अनुवाद)*

₹ 50.00
निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

ISBN 978-81-237-9643-7

First Bilingual Edition (Hindi-English) 2021 (*Saka* 1942)
First Hindi Edition 2004
First English Edition 2004
Ekti Gaach Ekla *(Original Bangla)*
A Friend Forever *(English Translation)*
Pakki Dosti *(Hindi Translation)*

₹ 50.00
Published by the Director, National Book Trust, India
Nehru Bhawan, 5 Institutional Area, Phase-II
Vasant Kunj, New Delhi-110 070
www.nbtindia.gov.in

पक्की दोस्ती
A Friend Forever





नेहरू बाल पुस्तकालय
Nehru Bal Pustakalaya

पक्की दोस्ती
A Friend Forever

ऐन्ड्रीला मित्रा | Aindrila Mitra



English Translation
Neera Jain

Translated from
English into Hindi
Prithviraj Monga

Illustrations
Pronabesh Maity

अंग्रेजी अनुवाद
नीरा जैन

अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद
पृथ्वीराज मोंगा

चित्र
प्रोनाबेश माइती

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

यह कहानी एक पेड़ की है।
वह बिलकुल अकेला था।

This is the story of a lonely Tree.



पेड़ एक बड़े से खेत के ठीक बीच में खड़ा था।
उस खेत में और कोई पेड़ नहीं था। वहाँ कोई पक्षी नहीं आता था।

इसीलिए हमारी इस कहानी का पेड़ बड़ा अकेला था।

पेड़ के मन में न जाने कितनी कहानियाँ थीं, लेकिन वह किसे सुनाए?

चाँद। तारे। सूरज। सभी दूर थे। ऊपर आकाश में, बहुत-बहुत दूर। आखिर पेड़ किससे बात करे!

In the middle of a vast field, our Tree had a home.

There were no other trees in that field. No birds used to come here.

That is why Tree of our story was very lonely.

In his heart, Tree held a sea of stories. But whom to tell ?

The Moon. The Stars. The Sun. Everyone was far away.

At a great distance, in the sky.

To whom will Tree speak with!



अचानक एक दिन, एक नन्ही-सी नीले रंग की चिड़िया आई और पेड़ पर बैठ गई। वह अपना रास्ता भटक गई थी।

थोड़ी देर बाद अँधेरा घिर आया। ऐसे में वह घर कैसे जाए? इसलिए चिड़िया ने रात पेड़ पर ही बिताने का निर्णय लिया।

Suddenly one day, a little blue bird came and sat on Tree. She had lost her way.

After a while, darkness fell. How would she go home now? So she decided to stay back on Tree for the night.



उस रात पेड़ और नन्ही नीली चिड़िया दोस्त बन गए। वे पूरी रात एक-दूसरे के साथ बातें करते रहे।

That night, Tree and the little blue bird became friends. They kept talking to each other for all night long.



भोर हो गई। अब चिड़िया को जाना था।

चिड़िया ने पेड़ से कहा, ‘‘प्रिय मित्र, इतने उदास क्यों होते हो। मैं फिर आऊँगी।’’ इतना कहते हुए चिड़िया उड़कर दूर चली गई।

At the break of dawn, the bird had to leave.

She told Tree, “Don’t feel sad, dear friend, I will come again.” So saying, she fled away.



पेड़ चिड़िया की राह देखता रहा। कई दिन बीते, कई रातें बीतीं। नीली चिड़िया लौटकर नहीं आई।

Tree kept waiting for the bird. Days passed by, so do the nights. The blue bird did not come back.



पेड़ की आँखें भर आईं और आँसू बहने लगे–टप... टप...टप...

Tears welled up in his eyes and rolled down drop by drop.



पता नहीं, इसी तरह कितने दिन बीत गए।

Nobody knew how many days passed by.



एक सुबह पेड़ ने देखा कि उसके आसपास आँसुओं से एक तालाब बन गया है।

One fine morning, Tree found that a pond of tears has formed around him.”



अब पेड़ उस तालाब से बातें करने लगा। वह दिनभर बातें करता रहा। लेकिन मन में बसी कहानियाँ क्या एक दिन में सुनाई जा सकती थीं!

अपने पाँव तालाब में जमाए पेड़ लगातार बातें करता रहा। वह बातें करता हुआ तालाब में उस टहनी की परछाईं को देखता रहता, जिस पर कभी आकर नीली चिड़िया बैठी थी।

Now, Tree started talking to this pond. He talked for the whole day long. But how could the sea of stories finish in a day !

Sinking his feet in the pond, Tree continued to talk. While talking, Tree looked at the reflection of the branch in the pond, on which a bird once came and sat.



अब हमारे पेड़ को नहीं लगता कि वह अकेला है।

Our Tree does not feel lonely anymore.











ऐन्द्रीला मित्रा बाल साहित्य की एक प्रख्यात लेखिका हैं। उन्होंने बच्चों के लिए कई रोचक पुस्तकें लिखी हैं।

प्रोनाबेश माइती बच्चों की पुस्तकों के जाने-माने चित्रकार हैं।

नीरा जैन पिछले तीन दशकों से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के संपादकीय अनुभाग में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। वर्तमान में वे न्यास की मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक हैं। वे अच्छी बाल-लेखिका के साथ-साथ अनुवादक भी हैं।

पृथ्वीराज मोंगा हिंदी भाषा के प्रख्यात लघुकथा लेखक व अनुवादक थे, जिन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत में संपादक के पद पर भी कार्य किया।

Aindrila Mitra is an accomplished writer for children with many books to her credit.

Pronabesh Maity is a renowned illustrator of children's books.

Neera Jain has been serving National Book Trust, India for the last three decades in various capacities, mainly in the editorial division of the Trust. Presently, she is the Chief Editor & Joint Director, NBT. She is an accomplished writer of books for children as well as a translator.

Prithviraj Monga was an eminent Hindi short story writer and translator, who also served as the Hindi Editor of children's books at National Book Trust, India.

मुद्रक : रॉयल ऑफसेट प्रिंटर्स, नई दिल्ली
Printed at: Royal Offset Printers, New Delhi



यह बहुत ही सुंदर कहानी है, जो अकेले रहने वाले एक पेड़ और उसकी दोस्त नीले रंग की नन्ही चिड़िया के बारे में है। चिड़िया जल्द ही वापस लौट आने का वादा करके उड़ जाती है। क्या वह उस पेड़ पर दुबारा लौटती है? सुंदर चित्रों से सुसज्जित यह कहानी उन दोनों के बीच की अनोखी दोस्ती के बारे में है।

This is a beautiful story about a lonely tree and his only friend, a little blue bird. The bird flies away with a promise to come back. Will she ever visit the tree again? Beautifully illustrated, this story is about a unique friendship.

nbt.india
एकः सूते सकलम्
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

₹ 50.00
ISBN 812379643-9
9 788123 796437
20212101